सिंचाई विभाग

जन संचार एवं मीडिया प्रकोष्ठ

उ0प्र0 वॉटर सैक्टर रीस्ट्रक्चरिंग परियोजना, पैक्ट

वाल्मी भवन, सिंचाई विभाग,

उत्तर प्रदेश

पर ड्राप मोर कोप पी0एम0 के संकल्प को साकार करना सिंचाई मंत्री की सर्वोच्च प्राथमिकता।

फार्मर वाटर स्कूल और जल उपभोक्ता समितियों का सकिय–समन्वय स्थापित करना समय की सबसे बड़ी आवश्यकता।

किसानों की आमदनी दुगनी करना हम सब की नैतिक जिम्मेदारी हैं।

ए0के0 सिंह सेंगर, मुख्य अभियन्ता, पैक्ट

लखनऊ : 27 सितम्बर, 2018

मा0 प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के राष्ट्रीय संकल्प वन ड्राप मोर क्रोप को साकार करना मा0 सिंचाई मंत्री श्री धर्म पाल सिंह की सर्वोच्च प्राथमिकता है यह विचार मुख्य अभियन्ता पैक्ट श्री ए0के0 सिंह सेंगर ने उत्तर प्रदे ा वाटर सेक्टर रीस्ट्रक्चरिंग परियोजना में वाल्मी संस्थान द्वारा आयोजित जल उपभोक्ता समितियों एवं फार्मर वाटर स्कूल के मध्य ताल–मेल एवं समन्यव स्थापित करने के उददे् य से आयोजित कार्य ाला का मुख्य अतिथि के रूप में भाुभारम्भ करते हुए व्यक्त किये।

श्री सेंगर ने कहा कि किसानों की आमदनी को दुगनी करना हम सब का नैतिक दायित्व है और इस दि ाा में जल उपभोक्ता समितियों एवं फार्मर वाटर स्कूलों का योगदान वरदान सिद्ध हो सकता है, मुख्य अभियन्ता पैक्ट ने कहा कि जल उपभोक्ता समितियों एवं फार्मर वाटर स्कूलों को सक्रिय करना समय की सबसे बड़ी आव यकता है। आपने कहा कि यह दो दिवसीय कार्य ाला इस दि ाा में मील का पत्थर साबित होगी।

कार्य ाला का संचालन करते हुए निदे ाक वाल्मी श्री पी0डी0 भार्मा ने कहा कि वाल्मी (Water Land Management Institute) सिंचाई विभाग के संकल्पों, उद्दे यों एवं कार्यक्रमों को बेहतर प्र ाक्षण के माध्यम से धरातल पर उतारने का कार्य करती है। आपने कहा कि जहां एक तरफ सिंचाई विभाग का यह संस्थान अभियन्ताओं को जल संसाधन के आधुनिक तकनीक के वैज्ञानिक उपयोग के माध्यम से कम जल से अधिक पैदावार बढाने के तरीको का प्र ाक्षण देती है वही समय–समय पर यू0पी0डब्लू0एस0आर0पी0 द्वारा आयोजित जल उपभोक्ता समितियों व किसान सिंचाई विद्यालय से जुड़े लाभार्थियों को भी व्यवहारिक प्र ाक्षण देती है। श्री भार्मा ने कहा इस कार्य ाला में जल उपभोक्ता समितियों और किसान सिंचाई विद्यालय के मध्य बेहतर समन्वय एव ताल–मेल बनाने के कारगर तरीकों पर विस्तृत विचार विम र्ा कर कारगर रणनीति बनायी जायेगी। जिससे कि सीमित जल में अधिक उत्पादन प्राप्त किया जा सके।

कार्य ाला में वि व बैंक के पराम र्ाी श्री पी0के0 सिन्हा और एफ0ए0ओ0 के फार्मर वाटर स्कूल वि ोश्ज्ञ श्री कोन्डा रेडडी एवं सुधाकर एस0आर0डी0 के श्री नन्द कि ाोर आदि ने जल उपभोक्ता समितियों एवं फार्मर वाटर स्कूल द्वारा किये जा रहे बेहतर नहरों के संचालन, प्रबंधन, जल संचयन, आदि विश्यों पर विस्तृत विचार विम र्ा किया। वि ोश्ज्ञों के प्राप्त सुझावों के अनुसार मॉडल फार्मर वाटर स्कूलों को प्रभावी बनाने पर बल दिया गया तथा कृश्ि विभाग की सक्रिय भागीदारी पर भी वृहद चर्चा की गयी ।

इस कार्य ाला में यू0पी0डब्लू0एस0आर0पी0 आच्छादित छः जनपदों (बाराबंकी, सुल्तानपुर, अमेठी, रायबरेली, प्रतापगढ़ जौनपुर) के कृश्ि

उपनिदे ाको, अधि ाासी अभियन्ताओं एवं अन्य अधिकारियों अन्य संबंधित अधिकारियों द्वारा प्रतिभाग किया गया। प्र ाक्षण सत्र का संचालन वाल्मी के पाठ्यक्रम निदे ाक श्री राजे ा भुक्ला द्वारा किया गया।

सम्पर्क सूत्रः मीडिया वि ोशज्ञ, पैक्ट मो0–9412205971
email-isbr27@gmail.com ***फैक्स 0522–2237664***